

डीईओ ने ली जिले के 211 संकुल समन्वयकों की ली बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा ने जिले के सभी छह विकासखंडों के 211 संकुल समन्वयकों को जिला स्तरीय बैठक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में दो पालियों में ली। पहली पाली में ओझी, प्रतापपुर और प्रेमनगर विकासखंड के संकुल समन्वयक शामिल हुए। दूसरी पाली में सूरजपुर, भैयाखान और रामनगर विकासखंड के संकुल समन्वयकों ने भाग लिया। बैठक में डीईओ सिन्हा ने कहा कि संकुल समन्वयक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। विभाग की हर योजना, हर निशान और हर शैक्षणिक पहल अंततः स्कूल तक संकुल समन्वयकों के माध्यम से ही पहुंचती है। वे शासन-प्रशासन और स्कूल के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। वे अपने संकुल के प्रत्येक स्कूल की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, बच्चों के सीखने के स्तर और मध्याह्न भोजन की

गुणवत्ता से सबसे पहले अवगत होते हैं। इसलिए स्कूलों में सुधार की पहली जिम्मेदारी उन्हीं की है। उन्होंने कहा कि संकुल समन्वयक केवल निरीक्षण तक सीमित न रहें, बल्कि अवलोकन के दौरान बच्चों से सीधे बातचीत करें, उनके सीखने के स्तर को परखें और शिक्षकों को सुधार के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन दें। समन्वयक शिक्षकों, प्राचार्यों, पालकों और समुदाय के बीच संवाद की कड़ी बनकर स्कूलों में उपस्थिति, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करें। डीईओ ने स्पष्ट कहा कि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर संकुल समन्वयकों की मेहनत और जवाबदेही से ही तय होगा। जिस तरह रीढ़ मजबूत होने पर पूरा शरीर सुदृढ़ रहता है, उसी तरह संकुल स्तर पर व्यवस्था मजबूत होगी तो पूरी शिक्षा व्यवस्था सशक्त बनेगी। डीईओ सिन्हा ने सभी संकुल समन्वयकों को निर्देश दिए कि



का भाषा एवं शब्द ज्ञान मजबूत हो। अवलोकन के दौरान बच्चों से सीधे बातचीत कर उनके सीखने के स्तर में सुधार के लिए शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया जाए। प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को 20 से 25 तक के पहाड़े, जोड़, घटाव, गुणा, भाग,

बारह खड़ी, पुस्तक पठन और शब्द बोज़ में दक्ष बनाया जाए। विशेष रूप से यह ध्यान दें कि कक्षा कक्ष में कोई भी शिक्षक मोबाइल लेकर प्रवेश न करें। छात्र उपस्थिति के लिए योजना बनाकर उसे लागू करने, अपार आइडी निर्माण में तेजी लाने तथा पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के प्रयास बढ़ाने को कहा गया। साथ ही गृहस्थ में बच्चों का बर्तव्य निर्धारण कर अवकाश के दौरान ही पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए गए। बच्चों को स्वच्छ एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाए। स्कूलों में चल रहे और

अपूर्ण निर्माण कार्यों का पता लगाकर उनकी स्थिति से अवगत कराने, प्रत्येक संकुल में एक विद्यार्थी को आदर्श विद्यार्थी बनाने तथा व्यवस्था के तहत विज्ञान सहायक एवं प्राचार्य के माध्यम से शिक्षकों का समायोजन करने के निर्देश भी दिए गए। डीईओ सिन्हा ने संकुल समन्वयकों को निर्देश

दिए कि वे निजी विद्यालयों का भी नियमित निरीक्षण करें। संकुल क्षेत्र में संचालित प्रत्येक विद्यालय की जानकारी रखना समन्वयकों की जिम्मेदारी है, चाहे वह शासकीय हो या निजी। निजी विद्यालयों का निरीक्षण इसलिए आवश्यक है कि यह सुनिश्चित हो सके कि वे शासन द्वारा दी गई मान्यता की शर्तों और मानकों का पालन कर रहे हैं। साथ ही यह भी देखा जाए कि जो विद्यालय सजीव हैं और छात्रों से भरे हैं, वहां सौंदाई और संचालित हो रही है, ताकि बच्चों और अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। निरीक्षण से बच्चों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति की जानकारी से मुझे अवगत कराएं। बैठक में सहायक संचालक अजय सिंह, बीईओ कमरा: हर्दित सिंह, मुकु लाल धुवे, पुरुषोत्तम मरावी, मोतीलाल राजवाड़े, प्रभात सिंह के साथ अवधेश साहू उपस्थित रहे।

सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को नम आंखों से दी विदाई



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल में नौ दिनों तक शांति की आराधना के बाद बुधवार को शारदीय दुर्गासप्तमी का समापन श्रद्धा और भावुकता के बीच हुआ। नगर के बंगाली कल्चरल एसोसिएशन ने महिलाओं ने पारंपरिक सिंदूर खेला की रस्म निभाकर मां दुर्गा को विदाई दी। इस दौरान बंगाली संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करने के बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और अखंड सौभाग्य, सुख-शांति व समृद्धि की कामना की।

बंगाली समाज की इस विशेष परंपरा में उत्साह के साथ मां के विदा होने की भावुकता भी झलकी। इसके पश्चात पूजा समितियों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। आयोजन में मिला कर, नीलू कर, मुकु मंडाचार्य, मौली नंदी, सीमा विश्वास, नयनतारा राय, पिकी पाल, संगीता नंदी, विजयपाल, काकली भट्टाचार्य, झरना अधिकारी, रिंकू सिन्हा, डोली मित्रा, गीता घोषाल, सपना घोषाल, प्रीति घोषाल सहित समाज की अन्य महिलाएं शामिल रहीं। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से अगले वर्ष फिर आगमन की प्रार्थना करते हुए भावपूर्ण विदाई दी।

घर बंद कर सपरिवार दशहरा मेला घूमने गए, इधर चोरों ने पूरा घर खंगाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत चन्द्रिकापुरा निवासी शिक्षक देवचरण राम के सुने घर में दक्षिण देकर चोरों ने करीब तेईस हजार रुपए नगद समेत सोने, चांदी के जेवरों पर काट दिया है। कुल चोरी हुई से तीन लाख के बीच आंकी गई है। बताया जा रहा है कि शिक्षक देवचरण राम सूरजपुर जिला मुख्यालय के स्कूल में पदस्थ हैं और वे सपरिवार सतपता में

रहते हैं। बीती रात वे सपरिवार विजयादशमी मेला घूमने गए थे, इस दौरान उन्होंने घर में ताला लगा दिया था। चोर इस दौरान रात्रि आठ से दस बजे के बीच घर को सूना पारकर प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर भीतर घुसकर दो आलमारी के लॉक तोड़कर उसमें रखे तेईस हजार रुपए नगदी सहित जेवरों में सोने का धूमका, सोने की अंगुठी, सोने की चेन, चांदी की पायल सहित अन्य समान अपने साथ ले गए हैं।

जेडी स्टील प्लांट में हादसे में झुलसे कर्मचारी की मौत, ड्रायव्हर और ठेकेदार पर एफआईआर

दुर्ग, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के समझा स्थित जेडी स्टील प्लांट में पिछले लोहे की छोटों से झुलसे कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने प्लांट के ड्रायव्हर और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। चोरों के जाने में प्लांट में काम के दौरान लापरवाही बरतने की बात सामने आने के बाद यह

अमेरा खदान से केबल काट ले गए चोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की अमेरा खुली खदान परियोजना में रोजाना बढ़ी मात्रा में कोयला चोरी के साथ अब शीत ऋतु के आगमन के साथ बदमास खदान में रात्रि में प्रवेश कर केबल काट ले रहे हैं। विजयादशमी की रात चोरों ने खदान के सब स्टेशन के पास लगे केबल काट पार कर दिया।

जिससे सबस्टेशन से विद्युत प्रवाह ठप्प हो गया। प्रातः खदान के विद्युत कर्मों मौक पर पहुंच विद्युत व्यवस्था बहाल किया है। बताया जा रहा है कि चोरों के चक्कर में केबल को काट दे रहे हैं, इससे बचने प्रबंधन अब एल्यूमीनियम वाले केबल खदानों में लगा रहा है ताकि समय समय पर होने

वाली चोरी की घटना को कम किया जा सके साथ ही होने वाले अधिक नुकसान से भी बचा जा सके, बावजूद इसके चोर आए दिन केबल को काट प्रबंधन की क्षति पहुंचा रहे हैं। प्रबंधन ने मामले को लिखित सूचना खदानपुर थाने में दी है। चोरी से प्रबंधन को कितना नुकसान हुआ है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

विजयादशमी पर क्षत्रिय भवन में हुआ विधिवत शस्त्र पूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को नगर के क्षत्रिय भवन में क्षत्रिय समाज की ओर से पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधिविधान से पूजा-अर्चना कर शस्त्रों का पूजन किया गया तथा समाज की परंपरा, गौरव और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। विजयादशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज की एकता, आपसी सद्भाव और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उपस्थित



सदस्यों ने कहा कि समाज की समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं

ने समाज हित में मिलकर कार्य करने तथा संगठन की गतिविधियों को और सक्रिय बनाने की बात कही। कार्यक्रम में जीएम ऑपरेशन अतुल सिंह, सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह, सुजोत सिंह, वी. किशोरी, समाज के अध्यक्ष इंजी. विनय सिंह, सचिव रमेश सिंह, नगर पंचायत विश्रामपुर के उपाध्यक्ष दीपें सिंह चौहान, चंदन सिंह, विकास सिंह, अरविंद सिंह, प्रभात सिंह गणा, गोपाल सिंह विद्वारी, गौतम सिंह, शशी सिंह, प्रमोद सिंह, रामशंकर सिंह, राजेश सिंह, अरविंद सिंह, नीरज सिंह, उमेश सिंह, परम सिंह चौहान, उज्ज्वल सिंह, अंकित सिंह चौहान सहित समाज के अन्य लोग उपस्थित रहे।

शहीद दिवस पर 154 वीर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 21 अक्टूबर को कनकपुर-सिलाफली स्थित छत्तीसगढ़ सरास बल की दसवीं बटालियन में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरगुजा रेंज के आईजी दीपक कुमार झा ने परेड की सलामी ली और एक निवेदन 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच देशभर में शहीद हुए 154 जवानों के नामों का वाचा किया। इसके बाद शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सपुर्तों को नमन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, कमिश्नर नरेंद्र दामे, सरगुजा कलेक्टर अजित बंसल, सूरजपुर कलेक्टर रमा जमील, सूरजपुर एसपी योगेश पटेल, अम्बिकापुर एसपी राजेश अग्रवाल, डीएफओ विपुल अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवान सिंह अग्रवाल और शहीद जवानों के परिजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर

श्रद्धांजलि दी। देशभर में शहीद हुए 154 जवानों में छत्तीसगढ़ के छह जवान शामिल हैं। इनमें इंदरेश्वर सुखराम विली, हेड कांस्टेबल बबदी मोहन, बस्तर फाइटर के कांस्टेबल परमानंद

सिंगम में किया गया था। जनवरी 1960 में दिल्ली में आयोजित पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन में गिगिय लिया गया कि वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21

कार्यक्रम के अंत में परेड दल ने शहीद जवानों को सलामी दी। इसके बाद मुख्य अतिथि सहित अन्य अधिकारियों ने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी तथा

विवाहिता की मौत मामले में पति पर दहेज हत्या का जुर्म दर्ज



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर पुलिस ने ग्राम पंचायत संयंत्रनगर निवासी महिला निकिता बावन 24 की संदिग्ध परिस्थितियों में तन दिनों 17 सितंबर को हुई मौत मामले में मर्ग जांच उपरति आरोपी पति आकाश बावन के खिलाफ बीएनएस की धारा 80 दहेज हत्या का जुर्म दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि मुश्किल का शर भार पर लटक पाए जाने पर परिजन उसे आन फनन में बांधी को फेंदे से उतार अम्बिकापुर अस्पताल में

भर्ती कराया था, जहां जांच उपरति निष्कर्षित करने में उसे मृत घोषित कर दिया था। मामले में अम्बिकापुर मणिपुर पुलिस सहायता केंद्र में मर्ग जांच कर केस डायरी जयनगर पुलिस को भेजी थी। मौत जांच में पुलिस ने पाया कि उसके पति द्वारा मुश्किल को दहेज में तीन लाख रुपए की मांग कर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। घटना दिवस को उसने लगातार प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी कर ली थी।

रायपुर के बड़े राइस मिलर की चंडीगढ़ के होटल में संदिग्ध मौत



रायपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बड़े राइस मिलर और कारोबारी दीपक मितल की चंडीगढ़ स्थित होटल ताज में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मंगलवार रात उसने मिलने पहुंचे लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।



गुडू और शंकर के बड़े सलामर भी थे। उनके करीबी सुजों के मुताबिक, उन्हें पंजाब में करीब एक हज़ार करोड़ रुपये का संपत्ति अर्ज मिलता था। इसी सिलसिले में उनका चंडीगढ़ फिलहाल पुलिस होटल में हुई मौत का सुझाव है। मौत की वास्तविक वजह शहीद स्मारक रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।



कोराम, संजय गडपाले, दुकाक राम गोंडे और कृष्ण कुमार कोमरा के नाम शामिल हैं। मुख्य अतिथि आईजी दीपक कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लड़ाकू के हॉट सिंग क्षेत्र में देश की रक्षा करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष में शहीद हो गए थे। इन वीर स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर



अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों ने देशप्रेम, त्याग और बलिदान की सर्वोच्च परंपरा स्थापित की है। उनके बलिदान से आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी और वे देशप्रेम व कर्तव्यनिष्ठा का बोध कराते रहेंगे।



अभिमान के दौरान सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के चलते कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि कई मुठभेड़ों में मारे गए। पूर्व के वर्षों में शहीद जवानों की संख्या सात से आठ सी या उससे अधिक रहने की तुलना में इस वर्ष आंकड़ा काफी कम रहा। इसे नक्सल विरोधी अभियान में मिली सफलता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।



शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में दसवीं बटालियन के कमांडेंट प्रशांत कतलम सहित बटालियन के अधिकारी, कर्मचारी और जवान उपस्थित रहे। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नक्सल विरोधी अभियान के प्रभाव की भी चर्चा रही। केंद्र सरकार ने देश की नक्सल मुक्त बनाने के लिए 31 मार्च की समय-सीमा निर्धारित की थी।

धूमधाम से हुआ रावण दहन, लेजर शो और आतिशबाजी ने मोहा मन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। दशहरे के दौरान पीजी कालेज मैदान में रावण, कुम्भकर्ण व मेघनाद के पुतले का दहन हुआ। इस दौरान लेजर शो व आतिशबाजी का नजारा देखने को मिला। विदित हो कि सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिवर्ष विजयादशमी पर सरगुजा जिला मुख्यालय में रावण दहन का कार्यक्रम होता है। इस वर्ष 27वीं दोनों समितियों व जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से विजयादशमी महोत्सव का आयोजन किया गया था। 7वह पहली बार था जब समिति द्वारा विजयादशमी महोत्सव का प्रारंभ करने वाले

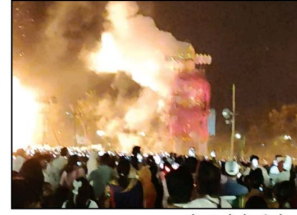
मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में करने के बजाए उसे खुले रूप से कलाकेन्द्र मैदान में किया गया। मानस गान के अतिरिक्त सुआ व करमा नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन कलाकेन्द्र मैदान में किया गया जिसमें सरगुजा संभाग भर से आए हुए नर्तक दलों ने अपनी भागीदारी की और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम में निर्णायक मंडल द्वारा विजेता व उप विजेता का चयन किया गया।

20 अक्टूबर मंगलवार को विजयादशमी महोत्सव के मुख्य आयोजन के लिए परम्परा अनुसार शाम को 4 बजे राम मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकली गई। जिसमें शामिल समितियों के

पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ काफी संख्या में आम लोगों की भी सहभागिता रही। दशहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शोभायात्रा पीजी कालेज मैदान में पहुंची। कालेज मैदान में रावण दहन को देखने के लिए भारी संख्या में लोग एकत्र हुए थे। रावण दहन के मुख्य कार्यक्रम से पूर्व समिति के पदाधिकारियों ने उपस्थित जनसमूह को विजयादशमी की शुभकामनाएं दी और कार्यक्रम के बारे में बताते हुए दशहरे के ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व के बारे में भी बताया तथा बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व 7से सीख लेने का आह्वान किया। इसके उपरांत लेजर शो व भव्य आतिशबाजी शुरू हुई जिसने



उपस्थित जन समूह का मनमोह लिया। आतिशबाजी के बीच ही मेघनाद, कुम्भकर्ण 7व अंत में रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन के उपरांत पीजी कालेज से भारी भीड़ वापस अपने घरों की ओर जाने के लिए निकली



जिससे कुछ समय के लिए मार्ग 7में जाम की स्थिति बन गई। हर बार होने वाली इस स्थिति के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा व्यवस्था की गई 7वीं पहले से निर्धारित रूट चार्ट व पार्किंग के कारण जाम की स्थिति से जल्द ही छुटकारा मिला

आतिशबाजी के रिकेट इशर-उधर छिटकते लगे। 7इस बीच कुछ रिकेट दर्शक दर्शकों में भी आकर फूटे मरर इस बीच अधिकार कुर्सियां खाली हो चुकी थी और जो लोग वहां उपस्थित थे उनके बीच डर का माहौल पैदा हो गया था। इस दौरान एक रिकेट तेज गति से मंच की ओर आया और उधर छोट्टी चिचारी पर चिंगारी आकर गिरने का एलाउंसमेंट होने के साथ ही वहां बैठे जनप्रतिनिधि तथा अधिकारियों को मंच खाली करने के लिए कहा गया जिसके उपरांत तत्काल फायर फाइटर की टीम आ गई और उन्होंने छोट्टी चिचारी पर तुरंत काबू पा लिया जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

शक्तिनगर में डाडिया की धूम, मां दुर्गा की भक्ति में झूम उठा नगर



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जराही। शारदीय नवरात्रि के पारव पर्व पर सरगुजा जिले के जराही नगर पंचायत अंतर्गत शक्तिनगर स्थित दुर्गा पंडाल में डाडिया कार्यक्रम ने उत्सव की रौनक को और भी खाल बना दिया। मां दुर्गा की आराधना, भक्तिमय संगीत और पारंपरिक डाडिया की भाषा के बीच पूरा वातावरण भक्ति और उत्साह से

सराबोर नजर आया। नवरात्रि की उमरा और भारतीय संस्कृति की खूबसूरती को समेटे इस आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक उत्सव का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया।

डाडिया की थाप पर झूलकी भारतीय संस्कृति की खूबसूरती शक्तिनगर दुर्गा पंडाल में

आयोजित डाडिया कार्यक्रम ने नवरात्रि महोत्सव में उत्साह के रंग भर दिए। पारंपरिक डाडिया की धुनों और उत्सवी माहौल ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। मां दुर्गा के जयकारों और भक्ति की भावना के बीच नवरात्रि का उत्साह देखते ही बना। डाडिया जैसे पारंपरिक सांस्कृतिक आयोजन भारतीय लोक परंपराओं की जीवंत पहचान हैं, जो लोगों को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने का काम करते हैं।

भक्ति के साथ सामाजिक एकता का संदेश नवरात्रि का पर्व यक्षि की उपारना, आस्था और सकरात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। वही, डाडिया

जैसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी मेल-जल, भाईचारे और एकजुटता की भावना को मजबूत करते हैं। शक्तिनगर दुर्गा पंडाल में आयोजित यह कार्यक्रम भी नवरात्रि की धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरत झलक प्रेश करता नजर आया। शक्तिनगर क्षेत्र में नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से उत्सवी माहौल बना हुआ है। शक्तिनगर का दुर्गा पंडाल भी मां दुर्गा की भक्ति और पारंपरिक उत्सव के रंगों से सराबोर नजर आया। डाडिया की थाप के बीच श्रद्धा, संस्कृति और उत्साह का यह संपन्न नवरात्रि महोत्सव की रौनक को और बढ़ाने वाला रहा।

अम्बिकापुर। सरगुजा संभाग की सबसे प्रतिष्ठित संभा स्त्रीन नॉकआउट कप लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 अब अपने सबसे रोमांचक दौर सुपर लीग में पहुंच गई है। आज खेलें गए सुपर लीग के दो मुकाबलों में दर्शकों का जबरदस्त फुटबॉल का रोमांच देखने को मिला। सुपर लीग का पहला मुकाबला रेलवे कर्जी और तेज कर दिया। लगातार हमलों के चलते उन्होंने दूसरे हाफ में दो बेहतरीन गोल कर मंच को 2-1 से फलट दिया। कर्जी की इस वापसी पर मैदान में मौजूद दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। दूसरा मुकाबला तालपरा और कापसरा के बीच बेहद संघर्षपूर्ण रहा। प्रथम हाफ में



दोनों ही टीमों ने हिफेस और अटैक का शानदार नमूना पेश किया। दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोलकीपरा के शानदार प्रदर्शन से प्रथम हाफ गोल रहित 0-0 पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कापसरा ने खेल पर पूरी तरह दबदबा बना लिया। लगातार दबाव बनाते का नतीजा यह कि कापसरा ने निर्णायक गोल दफा दिया। अंत तक तालपरा बराबरी का गोल नहीं कर

सकी और कापसरा ने 1-0 से जीत दर्ज कर सुपर लीग में महत्वपूर्ण 3 अंक झिल्ल कर लिए। आज के मैदान में दोनों में निर्णायक की भूमिका रामबाबुदा, लाम्बा, धनेरजर, राकुकुमार और आवुप ने निभाई। इस अवसर पर आयोजन समिति के कार्यकारिण सदस्य दीपक कुजुर्, कप्तान विस्फोट, अखिलानंद और विनोद पैकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अनुसार आज सुपर लीग राउंड के तहत दो और बड़े मुकाबले होंगे। जिसमें पहला मैच सरगुजा इलेवन विरुद्ध परसोडी और दूसरा मैच बलसेंड्री विरुद्ध कोट्या के बीच खेला जायेगा। दोनों मैचों को लेकर स्थानीय फुटबॉल प्रेमियों में भारी उत्साह है।

जसगीतों के साथ मां दुर्गा का दी विदाई, भव्य शोभायात्रा में दिखा आस्था का सैलाब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। नवरात्र के नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंगलवार की देर शाम हाई स्कूल ग्राउंड में भव्य रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वहाँ, बुधवार सुबह 11 बजे से मां दुर्गा की प्रथमाओं की विसर्जन शोभायात्रा निकली गई। इस दौरान पूरा नगर माता रानी के जयकारों और जसगीतों से भक्तिमय हो उठा। नगर के पुराना कलेक्ट्रेट चौक समिति और

बिरयाडीह समिति की ओर से नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद बुधवार को भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकली गई। शोभायात्रा पुराने बस स्टैंड, चांदे चौक, हाई स्कूल नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान महिलाएं और बच्चे एक जैसी वेशभूषा में नजर आए। माता रानी के जयकारों और जसगीतों पर श्रद्धालु घूमते रहे।

सुरक्षा व्यवस्था की रही विशेष तैयारी इस वर्ष विसर्जन कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान



दिया गया। पुलिस अश्वीक्षक वैभव वैकर के निदेशन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यातायात प्रभारी विमलेश कुमार देवांगन अपने दलबल के साथ मौजूद रही और समिति की ओर से नगर के विरिष्ठ नागरिकों ने स्वयं व्यवस्था की निगरानी की ताकि शोभायात्रा

शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। श्रद्धालुओं की सहभागिता और भक्तिमय माहौल ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। सहिला कार्यक्रम बनाव कार्ष्ण खन वां की परंपरा के अनुसार इस

बार भी समिति की ओर से सल्ला कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो शोभायात्रा के दौरान आकर्षण का केंद्र रहा। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर श्रद्धालु झूमते हुए नगर प्रभण करते रहे। मां दुर्गा के जयकारों, जसगीतों और पारंपरिक उत्साह के बीच श्रद्धालुओं ने माता रानी को अंजुल दिए

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री हेलपलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। इसका ताजा उदाहरण अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत करवां में देखने को मिला है। करवां निवासी बिरेंद्र कुमार सिंह मजदूरी और कृषि कार्य कर परिवार का भरपूर-पोषण करते हैं। उनकी पत्नी साधनी सिंह के नाम से राशन कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन लंबे समय से कार्ड नहीं बन पा रहा था। समस्या के समाधान के लिए



बिरेंद्र ने सोएम् हेलपलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के करीब एक सप्ताह के भीतर ही

उनकी पत्नी साधनी सिंह के नाम से राशन कार्ड बन गया। अब परिवार का राशन का लाभ मिल सकेगा। राशन कार्ड समाधान होकर बिरेंद्र कुमार सिंह ने जसमाना जताई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संघालित सोएम् हेलपलाइन 1076 शासन और जनता के बीच संबद्ध को मजबूत और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्राम पंचायत करवा में बदली तस्वीर 65 ग्रामीणों को गांव में ही मिला रोजगार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विकास को दिशा में विकसित भारत जी राम जी योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरगुजा जिले की ग्राम पंचायत करवा में योजना के तहत रमेशान घाट और नाली निर्माण कार्य संचालित हो रहे हैं, जिसमें 60 से 65 ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार मिला रहा है। ग्राम पंचायत करवा के सरपंच सुनाराम ने बताया कि पंचायत में रमेशान घाट निर्माण कार्य प्रारंभ करने और नाली निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। इन कार्यों में लगभग 60 से 65 ग्रामीण मजदूरी को रोजगार मिल रहा है, जिसमें प्रतिदिन 300 रुपये की मजदूरी मिल रही है। गांव में ही रोजगार मिलने से विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों



को बड़ी राहत मिली है। सरपंच ने बताया कि गांव में ही निर्माण कार्य संचालित होने से मजदूरों को रोजगार की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ रहा है। इससे उनके समय और आने-जाने के खर्चों की बचत हो रही है और वे परिवार के साथ रहकर आजीविका अर्जित कर पा रहे हैं। प्रतिदिन मिलने वाली मजदूरी से परिवारों की दैनिक जरूरतें पूरी हो रही हैं। इस योजना से रोजगार के साथ-साथ गांव की बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार

होगा। रमेशान घाट निर्माण से अंतिम संस्कार के लिए सुविधाएं विकसित होंगी, वहीं नाली निर्माण से जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी। इन कार्यों से गांव में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण हो रहा है। सरपंच सुनाराम ने खुशी जताते हुए कहा कि गांव में ही काम मिलने से ग्रामीणों को मजदूरी के लिए दूर तक नहीं पड़ रहा है। परीच परिवारों को रोजगार मिला रहा है और गांव में विकास कार्य भी हो रहे हैं, जिससे ग्रामवासियों में खुशी है।

जराही। विजयादशमी के पारव अवसर पर नगर पंचायत जराही के शक्ति नगर दुर्गा पंडाल में रावण दहन का भव्य आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और दुर्गा पूजा समिति के सदस्य जुटे। जैसे ही रावण के पुतले का दहन हुआ, पूरा परिसर उत्साह और जयकारों से गुंज उठा। इस आयोजन ने एक बार फिर बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और अस्वल्प पर सत्य की विजय का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मां महामाया अमरक कारखाना, केरात के पूर्व अध्यक्ष विद्यासागर आर्याम उपस्थित रहे। वहीं,



विशिष्ट अतिथि के रूप में रामायण गुप्ता ने शिरकत की। अतिथियों की उपस्थिति में रावण दहन की परंपरा निभाई गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने विजयादशमी के पर्व की महत्ता को याद करते हुए सत्य, सदाचार और न्याय के रूप में मां महामाया अमरक कारखाना, केरात के पूर्व अध्यक्ष विद्यासागर आर्याम उपस्थित रहे। वहीं,

सहित पार्वद सुमन जायसवाल, नम्रता महंत, करीना राजवाड़े और जुही सोनी उपस्थित रही। इनके अलावा समित सोनी, राजेश तिवारी, पूर्व पार्वद रवि महंत, रामायण सिंह, कृषिस नेता सुरेश ठाकुर, ममता पटेल, सुनीता मंडल एवं संतोषी नागे अपने साथियों के साथ आयोजन में शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों

की सहभागिता ने कार्यक्रम को खास बना दिया। दुर्गा पूजा समिति के प्रयासों से सफल हुआ आयोजन शक्ति नगर दुर्गा पंडाल में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के अध्यक्ष आकाश विश्वकर्मा, सचिव पवन वर्मा, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद शर्मा सहित सौरव मंडल, योगेश राजवाड़े, कोमल एल समिति की पूरी टीम ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया। समिति के सदस्यों और नगरवासियों के सामूहिक सहयोग से कार्यक्रम व्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

रावण दहन का संदेश आज भी प्रासंगिक विजयादशमी का पर्व केवल रावण दहन की परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, अन्याय और बुराईयों का त्याग करने की प्रेरणा भी देता है। भगवान श्रीराम की विजय का प्रतीक यह पर्व सत्य, सदाचार, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। शक्ति नगर दुर्गा पंडाल, जराही में आयोजित इस कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और आरसी भाईचारे की भावना को भी मजबूत किया। नगरवासियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के बीच विजयादशमी का यह आयोजन यादगार माहौल में संपन्न हुआ।

5

न
त
य
ने
र
त
ओ
हे
ग
क
मी
न
ह
गे

[illegible]

1000

0	
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	
29	
30	
31	
32	
33	
34	
35	
36	
37	
38	
39	
40	
41	
42	
43	
44	
45	
46	
47	
48	
49	
50	
51	
52	
53	
54	
55	
56	
57	
58	
59	
60	
61	
62	
63	
64	
65	
66	
67	
68	
69	
70	
71	
72	
73	
74	
75	
76	
77	
78	
79	
80	
81	
82	
83	
84	
85	
86	
87	
88	
89	
90	
91	
92	
93	
94	
95	
96	
97	
98	
99	
100	

T
T
E
F
T
'
T
D
T
T
T
T
S
T
f
T
f
T
T
.
T

वीर जवानों के बलिदान से छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा का नया अध्याय शुरू - मुख्यमंत्री

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम ने शहीदों की दी श्रद्धांजलि, कब्र-नक्सलवाद पर निर्णायक सफलता पुलिस के शहीदों का परिणाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी के माना स्थित चौबी वार्ड में छत्तीसगढ़ सरासरी बल के प्रांगण में आज पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और अमर शहीद जवानों की श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की ओर से कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया, शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र

अर्पित किया और शहीद पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों को शाल, श्रौचण और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

नक्सलवाद पर सफलता जवानों के अदम्य साहस का परिणाम

परेड को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता हमारे वीर पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। दशकों तक नक्सल हिंसा और भय से प्रभावित



रहे बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुशांति और विश्वास का नया वातावरण बना है। अमर शहीदों का बलिदान न केवल हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने 21 अक्टूबर 1959 के इतिहास का स्मरण करते हुए कहा कि लगभग के हॉट स्प्रिंग में भारत-तिब्बत सीमा पर हमारे 10 वीर जवानों ने चीनी सैनिकों के बड़े दस्ते को वीरता से सामना करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया

था। उन्हीं की स्मृति में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।

जहां भय था, वहां अब विकास की रोशनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए इस वर्ष का स्मृति दिवस विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में नक्सल उन्मूलन का संकल्प साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा और भय का माहौल था, वहां अब सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेजेंट और रोजगार सौखीन सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो

रहा है। निर्याद नेलानार योजना, पीएम जनम और धरती आवा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों तक शासन की योजनाएं पहुंच रही हैं और लोगों का लोकतंत्र पर भरोसा बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद परिवारों का त्याग और धैर्य भी अनुलनीय है। सरकार उनके सम्मान और कल्याण के लिए सर्वे प्रतिबद्ध है। शहीद परिवारों में जिस साहस से बलिदान को राष्ट्रसेवा के गौरव में बदला है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है।

पुलिस बल के आधुनिकीकरण पर जोर

सीएम ने कहा कि राज्य

सरकार पुलिस बल को आधुनिक तकनीक, संसाधन और बेहतर प्रशिक्षण से सशक्त बना रही है। कानून का शासन और नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

त्याग सदैव स्मरणी

-उपमुख्यमंत्री शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 के बीच नक्सल विरोधी निर्णायक लड़ाई में छत्तीसगढ़ पुलिस के कई जवानों ने वीरगति प्राप्त की। उनका बलिदान गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। आज जवान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति के साथ-साथ विकास योजनाओं को लोगों तक

पहुं चाने में भी भूमिका निभा रहे हैं।

डीजीपी अरुण देव गौतम ने दिवस आकडे

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने बताया कि 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक छत्तीसगढ़ पुलिस एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों की कार्रवाइयों में 84 नक्सली मारे गए। इसी अवधि में छत्तीसगढ़ पुलिस के 6 वीर जवानों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि शहीद परिवार छत्तीसगढ़ पुलिस परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं और पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

प्रधानमंत्री आवास योजना सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल

अपना आशियाना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद है, राहत है, रोशनी और खुशी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना छत्तीसगढ़ में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अद्भुत मिसाल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस योजना के अग्रणी और क्रियान्वयन से ग्राहण और शहरी क्षेत्रों में आवास बल बनाना है। दूर-दराज के गांवों तक अब पक्के आवास दिखाई दे रहे हैं। गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह योजना सिर्फ घर नहीं, बल्कि उम्मीद, राहत, रोशनी और खुशी है। ईश्वरी घर पक्के घर का समाज देखने वाले परिवार थोड़ी-थोड़ी बढ़त के बावजूद घर नहीं बना पाते थे, पीएम आवास ने उनके सपने को हकीकत में बदल



दिया है। पक्का मकान मिलने से उन्हें सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक जीवन मिला है और जीवन स्तर में बड़ा उन्नयन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट में ही 18 लाख 12 हजार जरूरतमंद परिवारों को पीएम आवास देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। अब तक 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत हो चुके हैं। 11 लाख 78 हजार आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

स्वीकृत आवासों में से 2 लाख 22 हजार आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से पूर्ण आवासों में बीएसपी घटक के 1,93,175 आवास एवं पूर्ण आवासों में एचएचपी घटक के 29,267 आवास हैं।

छिले दश वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत राज्य की पगति

बीएसपी घटक के अंतर्गत 75,709 आवास पूर्ण किए गए। वहीं एचएचपी घटक के 13,082 आवास पूर्ण हुए हैं। जिनमें से एचएचपी घटक में 14,687 हिताग्रहियों को आवास आवंटित किया गया है। एचएचपी घटक में 12,530 हिताग्रहियों का पूर्ण आवासों में व्यवस्थित किया गया है। आवास निर्माण हेतु नगरीय निकायों को 909 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 2 लाख 43 हजार

तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टो-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित अनुक्रमीय क्विआ का रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्ग से कच्चे और जरूरतमंदों को जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

तहत क्षेत्रों में 1.32 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत सभी शहरों में डोर-टो-डोर सर्वे अभियान निरंतर जारी है। इसके लिए तकनीक आधारित अनुक्रमीय क्विआ का रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत 71,416 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 4,129 आवास पूर्ण हुए हैं, वहीं 25,165 आवास निर्माणधीन हैं। इसके लिए नगरी निकायों को 533.93 करोड़ की राशि जारी की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य वर्ग से कच्चे और जरूरतमंदों को जीवन व्यतीत करते रहे हैं। बारिश के दिनों में विभिन्न तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

12 दिन पहले ही शुरू हुआ कांगेर घाटी का सफारी सत्र, जिप्सी सफारी से लेकर जनजातीय संस्कृति तक का मिलेगा अनुभव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बस्तर के प्रसिद्ध कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष पर्वटकों के लिए सफारी सत्र निर्धारित समय से 12 दिन पहले शुरू कर दिया गया है। वन मंत्री केदार करपप के निर्देशानुसार पर्वटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नए सत्र की शुरुआत के साथ ही पर्वटका राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जैव विविधता और विभिन्न सांस्कृतिक पर्वटक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। मुख्य वन सचिव (वन्यजीव) उमम गुप्ता ने मंगलवार को सत्र का पहला

टिकट जारी कर जिप्सी सफारी का शुभारंभ किया। मानसून के बाद शुरू हुए इस सत्र में पर्वटका कोटमरगुम, कांगेर धारा और प्रसिद्ध तीरथगढ़ जलप्रपात का भ्रमण कर सकेंगे। इसके साथ ही मांझीपाल में बबू राफ्टिंग और कांकिंग जैसी साहसिक गतिविधियों का भी आनंद ले सकेंगे। सफारी सत्र के समय से पहले शुरू होने से पर्वटकों को बस्तर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में पर्वटक गतिविधियों और स्थानीय आजीविका को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।



धुरवा जनजातीय नृत्य ठोगा विशेष आकर्षण

पर्वटकों को बस्तर की जनजातीय संस्कृति से परिचित करने के लिए कोटमरगुम और इको विकास समिति द्वारा धुरवा जनजातीय नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय संस्कृति को प्रोत्साहन मिलने के साथ समुदाय के लिए आजीविका के अवसर भी बढ़ेंगे। राष्ट्रीय उद्यान में पर्वटका संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए इस बार प्लास्टिक मुक्त सफारी पर विशेष जोर दिया गया है। उद्यान के



निदेशक श्री गौतम नारायण पंडितवार के निर्देशानुसार उद्यान क्षेत्र में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। पर्वटकों के प्लास्टिक की बोतलों और प्लास्टिक सामान नहीं लेने तथा उद्यान की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है।

भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने छत्तीसगढ़ के भूपेंद्र नाग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। छत्तीसगढ़ के लिए गवं का निषय है कि कांकिर जिले के युवा नेता भूपेंद्र नाग को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर जारी सूची में 7 उपाध्यक्ष, 3 महासचिव सहित कोषाध्यक्ष, माहिदाया प्रभारी और सोशल मीडिया टीम तक की नियुक्तियां की गई हैं। ये सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। भूपेंद्र नाग की नियुक्ति को छत्तीसगढ़ में बस्तर और युवा आदिवासी नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान के रूप में देखा



जा रहा है। भाजपा सूचों के अनुसार नई टीम में देश के हर राज्य, युवा, महिला, आदिवासी और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। आने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए युवाओं को साधने के लिए यह टीम अहम भूमिका निभाएगी।

विश्व धरोहर बनने की ओर सिरपुर का ऐतिहासिक कदम, यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुई छत्तीसगढ़ की प्राचीन सांस्कृतिक नगरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

केंद्रीय मंत्री ने किया था निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि मिली है। महासमुंद जिले में महानदी के तट पर बसी प्राचीन नगरी सिरपुर को यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में और पर्वटक एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के प्रयासों से प्रदेश की धरोहरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है, इसी का परिणाम है कि लगभग 1500 वर्षों का गौरवशाली इतिहास समेटे सिरपुर अब विश्व धरोहर बनने की राह पर अग्रसर है।

दक्षिण कोसल की राजधानी रहा सिरपुर

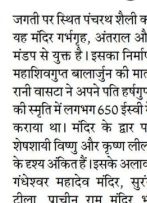
प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से विख्यात यह नगर पाण्डुरंगी शासकों के शासनकाल में दक्षिण कोसल की राजधानी था। यह राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र था।



प्रमुख केंद्र था। पाण्डुरंगी शासक महाशिवराज बालाजी के 57 वर्षों के दीर्घ शासनकाल में सिरपुर में सांस्कृतिक उचाइयों को हुआ। 17वीं शताब्दी में चीनी यात्री हेनसंग ने यहां की यात्रा की थी और 100 बौद्ध स्तूपों और 10 हजार विष्णुओं की उल्लेख किया था। सिरपुर की सबसे बड़ी विशेषता यहां शैव, वैष्णव, बौद्ध



और जैन परंपराओं का सह-अस्तित्व है, जो प्राचीन भारत में धार्मिक सहिष्णुता का प्रमाण है। सिरपुर का विषयप्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर 7वीं शताब्दी में बना भारतीय ईंट स्थापक का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। लगभग 7 फुट ऊंची



जगती पर स्थित पंचरथ शैली का यह मंदिर गर्भगृह, अंतराल और मंडप से युक्त है। इसका निर्माण महाशिवराज बालाजी की माता रानी वासुदा ने अपने पति हरधनु की स्मृति में लगभग 650 ईस्वी में कराया था। मंदिर के द्वार पर शेषशायी विष्णु और कृष्ण लीला के दृश्य अंकित हैं। इसके अलावा गंधेश्वर महादेव मंदिर, सूरंग टीला, प्राचीन मंच मंदिर भी स्थापक वैभव के साक्ष्य हैं।

बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र

सिरपुर महायान बौद्ध धर्म का बड़ा केंद्र रहा है। यहां की प्रमुख विहार - आनंदप्रभु कुटी विहार - इसमें पिछले 14 वर्षों में दो मंजिला संरचना थी, जिसमें बुद्ध की साढ़े 6 फुट ऊंची भूमिसूर्य मुद्रा की प्रतिमा है।

स्वास्तिक विहार: अपनी विशिष्ट ताल योजना के लिए प्रसिद्ध

तीनवदेव महाविहार: 2002-03 में डॉ. अरुण कुमार शर्मा के निदेशन में मिले इस 902 वर्गमीटर के महाविहार में पंचरथ कलाओं का अंकन और भूमिगत पत्थर की नालियां मिली हैं, जो उन्नत नगर नियोजन का प्रमाण हैं।

2000 से अधिक पुरावशेष मिले

उत्खनन में दो हजार से अधिक पुरावशेष मिले हैं, भातु प्रतिमा, सिक्के, आभूषण बनाने के उपकरण, मिट्टी के बर्तन, कांच की बुडियां।

विजयादशमी पर जशपुर पुलिस ने की शस्त्र पूजा, हर्ष फायर कर दोहराया सुरक्षा का संकल्प

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। विजयादशमी के पवन पूर्व पर परंपरा, आस्था और कर्तव्यनिष्ठा का संगम बहने को मिलता। रक्षित केंद्र जशपुर के शस्त्रागार में विभिन्न-विधान से शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेश सिंह ने विभिन्न शस्त्र पूजन कर जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहराया और जिले की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। शस्त्र पूजन के बाद परंपरागतर विभिन्न धार्मिकों से हर्ष फायर किया गया।

शक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है शस्त्र पूजन

शस्त्र पूजन भारतीय संस्कृति की प्राचीन एवं महत्वपूर्ण परंपरा है। विजयादशमी पर शस्त्रों की पूजा

शक्ति, साहस, पराक्रम, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक मानी जाती है। पुलिस विभाग में इस परंपरा का विशेष महत्व है, क्योंकि शस्त्र पुलिस बल के कर्तव्यों के निर्वहन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूजन के दौरान समाज में सुख-समृद्धि, शांति और स्वर्गीय विकास की मंगलकामना की गई। परंपरा के अनुसार प्रतीकात्मक रूप से तलवार से कुम्भापड़ा काटकर बलि अर्पित की गई। इसके बाद हर्ष फायर किया गया और सभी के जीवन में सुख-शांति और समाज में आपसी सद्भाव, सहोदर एवं भाईचारा कायम रहने की कामना की गई।

जिले के सभी थानों-चाँकियों में भी हुआ शस्त्र पूजन

रक्षित केंद्र के साथ-साथ जिले के सभी थाना एवं चाँकियों में भी परंपरागतर शस्त्र पूजन किया गया। पुलिस

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विधि-विधान से शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण की भावना को दोहराया और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प दोहराया। विजयादशमी का पर्व दुर्गा पर अर्पण तथा अर्पण पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसी भावना के अंतर्गत जशपुर पुलिस जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने, अपराधों पर अग्रणी निरंकुश करने तथा आम नागरिकों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

कर्मक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर रणेश कुमार पाटनवार, डीएसपी कुंज राम चौहान, एसडीओपी जशपुर निमित्तेश सिंह, डीएसपी अजांक भावेरा कुमार समर्थ, डीएसपी शुभांशु तिवारी, डीएसपी आशा तिवारी, रक्षित निरीक्षक अमरजीत खटे, निरीक्षक आरोप तिवारी, निरीक्षक अमित तिवारी, उपनिरीक्षक खेमराज ठाकुर, प्रशिक्षु सुवेदार रविशंकर साहू सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों उपस्थित रहे।



पुलिस ने 56 शहीद परिवारों को दिया सम्मान, पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों को किया नमन

रक्षित केंद्र में गरिमामय आयोजन, 154 शहीद जवानों के नामों का हुआ स्मरण



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिन्होंने देश के लिए जान दी, जशपुर पुलिस ने उनके परिवारों को सम्मान दिया। रक्षित केंद्र जशपुर में पुलिस स्मृति दिवस का कार्यक्रम गरिमामय और भावपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि नमन किया गया। पुलिस की टुकड़ी ने शहीदों को सलामी दी और उनके अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण किया।

154 वीरों को किया याद

परेड में प्रशिक्षु सुवेदार रविशंकर साहू ने मुख्य कमांडर की भूमिका निभाई। एक प्लाटून का नेतृत्व सीएफ के पीसी दीपक यादव और दूसरे का पीएसआई सदीप चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में 1 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में शहीद हुए कुल 154 पुलिसकर्मियों के नामों का स्मरण किया गया। शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

56 शहीद परिवारों से आत्मीय संवाद

कार्यक्रम में जिले के कुल 56 शहीद परिवारों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भागत, जनपद अध्यक्ष गंगाधर भागत, कलेक्टर

रोहित व्यास, डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेश सिंह सहित अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस विभाग शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखता है। परिवारों को आश्वस्त किया गया कि वे खुद को

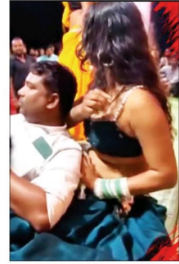
कभी अकेला न समझें। उनकी पारिवारिक, व्यक्तिगत और आर्थिक समस्याओं को गंभीरता से सुनकर निराकरण के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के बाद पुलिस लाइन में शहीद परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई और उन्हें सम्मानपूर्वक उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।

क्यों मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस

हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। 21 अक्टूबर 1959 को लाहौर के हॉट सिटीस में चीनी सैनिकों के हमले का सामना करते हुए 10 वीर पुलिसकर्मियों ने प्राणों की आहुति दी थी। उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

शहीदों का बलिदान प्रेरणा देता रहेगा-एसएसपी

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेश सिंह ने कहा कि शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उनकी वीरता और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। जशपुर पुलिस शहीदों के परिजनों के साथ सदैव खड़ी है और उनके सम्मान व सहयोग के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी निमित्तेश सिंह, डीएसपी शुभम तिवारी, विनोद मंडवी, आशा लखड़ा, भावेरा कुमार समर्थ, रक्षित निरीक्षक अमरजीत खटे सहित पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों उपस्थित रहे।



रणजीता स्टेडियम में रावण दहन के दौरान अफरा-तफरी, आतिशबाजी का पटाखा भीड़ में गिरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में विजयादशमी के अवसर पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। शहर के रणजीता स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में आतिशबाजी के दौरान एक जलता हुआ पटाखा अचानक दर्शकों की भीड़ के बीच जा गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रणजीता स्टेडियम की है, जहां दशहरा उत्सव समिति द्वारा रावण दहन का आयोजन किया गया था। हजारों की संख्या में लोग रावण दहन देखने पहुंचे थे। रावण दहन से पहले आतिशबाजी की जा रही थी, तभी एक अनार या रिकेटनुमा पटाखा दिशा भटककर सीधे दर्शक दीर्घ में भीड़ के बीच गिर गया।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

घटना के बाद आयोजन स्थल पर कुछ देर तक असामान्य स्थिति बनी रही। पुलिस और आयोजन समिति के सदस्यों ने स्थिति को संभाला और भीड़ को शांत कराया। इसके बाद कार्यक्रम



पटाखा गिरे ही मची भगदड़

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पटाखा भीड़ में गिरे ही जोरदार आवाज के साथ फटा। इससे वहां मौजूद लोगों में हड़लत फैल गई और लोग जान बचाव के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ देर के लिए पूरे स्टेडियम में हड़लत और चीख-पुकार मच गई। इस घटना में दो लोगों को मामूली चोट आई है। गंभीरता रही कि पटाखा बड़े आकार का नहीं था और भीड़ ज्यादा घनी जगह पर नहीं गिरा, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। घायलों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया।

फिर से शुरू किया गया दशहरे जैसे बड़े सार्वजनिक आयोजनों में आतिशबाजी के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बेहद जरूरी हैं। दर्शकों से सुरक्षित दूरी, फायर



रायगढ़ और जशपुर में तीन सड़क हादसे, चार युवकों की मौत, दो घायल

रनपुर में बस की टक्कर से युवकों की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। रायगढ़ और जशपुर जिले में हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हो गए। हादसों के बाद पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पहला हादसा रायगढ़ जिले के छाल थाना क्षेत्र में हुआ। जहां तेज रफ्तार

बाइक खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार दो युवकों कुम्पा राठिया और जितेंद्र राठिया को मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य युवक घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है।

दूसरी घटना में परिवार के साथ मेला घूमने गए एक युवक हादसे का शिकार हो गया। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने के कारण युवक को मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले को जांच कर रही है। तीसरा हादसा जशपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के रनपुर में हुआ।

यहां अफिमकापुर से कुनकुरी जा रही शमीम ट्रेक्टर को यज्ञी बस ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक को मौके पर ही मौत हो गई।

युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने कर्मीका-कुनकुरी मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने बस चालक के खिलाफ कार्रवाई और मुआमले की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। रनपुर पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाव-दशहरा दिवस जाम खुलवाया। पुलिस ने बस को जबरन कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मरणा नाला पर 4.52 करोड़ से बनेगा उच्च स्तरीय पुल, तीन जिलों तक आवागमन होगा आसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जशपुर जिले में सड़क संकेत और आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए सडा मार्ग स्थित मरणा नाला पर 4 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है। पुल बनने से जशपुर से सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। मरणा नाला पर पहले सक्ती पुलिसवा होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। संकरे रास्ते के चलते कई बार यातायात बाधित होने की स्थिति बन जाती थी। उच्च स्तरीय पुल का निर्माण पूरा होने के बाद इस समस्या से राहत मिलने के साथ आवागमन अधिक आसान और सुरक्षित होने की उम्मीद है।

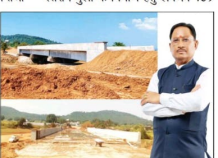
कई जिलों की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

सडा मार्ग जशपुर जिला मुख्यालय को सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों की ओर जाने वाले मार्गों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए हैं। मरणा नाला पर पुल बनने से इस मार्ग की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इससे स्थानीय नागरिकों के साथ दूरे जिलों की ओर यात्रा करने वाले

लोगों को भी लाभ मिलेगा।

जिले में 22 पुलों के लिए 109 करोड़ रुपये स्वीकृत

जशपुर जिले में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए 22 उच्च स्तरीय पुलों के निर्माण हेतु लगभग 109



करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इन पुलों के निर्माण से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों का सड़क संकेत बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। विशेषकर उर इलाकों में पुल निर्माण से राहत मिलेगी, जहां जदी-नालों के कारण आवागमन प्रभावित होता है। बारिश के दौरान जलस्तर बढ़ने से होने वाली परेशानी को कम करने और वर्षापर सुरक्षित आवागमन की सुविधा विकसित करने में भी ये पुल महत्वपूर्ण साबित होंगे। मरणा नाला पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में राहत मिलने के साथ आसपास के जिलों से संकेत भी बेहतर होगा।

जशपुर राजपरिवार का शाही दशहरा, 27 पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा

बालाजी की अगुवाई में निकली शोभायात्रा, रावण दहन के साथ हुआ समापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। बस्तर के बाद छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े राजकीय दशहरा के रूप में पहचाने जाने वाले ऐतिहासिक जशपुर दशहरा उत्सव का समापन मंगलवार को रणजीता स्टेडियम में रावण दहन के साथ हो गया। भगवान बालाजी के नेतृत्व में शोभायात्रा निकली और रावणपेरी की गुंज व जय श्रीराम के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो उठा। रावण दहन देखने जशपुर सहित झारखंड और ओडिशा से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे।

27 पीढ़ियों से चली आ रही है परंपरा

जशपुर दशहरा की सबसे बड़ी खासियत इसकी परंपरा है। करीब 27 पीढ़ियों से राजपरिवार, राजपुत्रोहित, बैगा, डोम वंश के वादक और कई विरोध परिवार अपनी तब विजयदशमी निभा रहे हैं। यह रियासतकालीन विरासत और जनजातीय संस्कृति का अनोखा संगम है।

बालाजी की अगुवाई में शोभायात्रा

विजयादशमी पर बालाजी मंदिर में



विरोध पूजा के बाद राजपुत्रोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान बालाजी को लकड़ी के विरोध रथ में विराजमान कराया।

एक रथ में भगवान बालाजी और दूसरे में पुरोहित एवं राजपरिवार के सदस्य सवार हुए। शोभायात्रा बालाजी मंदिर से जयसंभर चौक, कोतवाली मार्ग होते हुए रणजीता स्टेडियम पहुंची। पूरे

रास्ते डोम वंशजों के डोल-नागाड़े गुंजते रहे।

हनुमान ने दी लंका विजय की सूचना

रणजीता स्टेडियम में बनी कृत्रिम लंका में रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद और अहिरावण के पुतले लगाए गए थे। हनुमान वेषधारी ने लंका दहन की

राश्यों की अपराजिता पूजा और नीलकंठ दर्शन

रावण दहन के बाद अपराजिता पूजा हुई। मान्यता है कि श्रीराम ने रावण वध से पहले यह पूजा की है। राजपुत्रोहितों ने राश्यों की पूजा कराई। महाअरारी के बाद राजपरिवार ने रथ से नीलकंठ पंथी उड़कर दर्शन कराए। नीलकंठ का दिखाना शुभ होता है। पूर्व या उत्तर दिशा में उड़ना शुभ संकेत और अन्य दिशा में उड़ना प्राकृतिक आपदा का संकेत माना जाता है। नीलकंठ लाने की जिम्मेदारी 27 पीढ़ियों से एक बैगा परिवार निभा रहा है।

नवरात्र से शुरू होते हैं अनुष्ठान

यह उत्सव सिर्फ एक दिन का नहीं है। नवरात्र के पहले दिन पक्की डाढ़ी, कुछ गंगा से पवित्र जल लाकर कलश स्थापना और अर्घ्य दीप के साथ शुरूआत होती है। 21 आयार्यों द्वारा वैदिक, राजसी और तांत्रिक विधि से 9 दिन पूजा होती है। 800 साल पुराने काली मंदिर में भी विशेष पूजा होती है। पूर्व सांयद रणविजय सिंह जेठवै के अनुसार, जशपुर दशहरा सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, सामाजिक सद्भाव का महावर्ष है। दोल बजाने वाले, नीलकंठ लाने वाले, बलि देने वाले हर परंपरा के पीछे एक परिवार का जुड़ाव है।